

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रस्तापारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 99] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 17, 1970/फाल्गुन 26, 1891

No. 99] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 17, 1970/PHALGUNA 26, 1891

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 17th March 1970

S.O. 1098.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of International Trade No. S.O. 3548, dated the 17th December, 1963, read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 4205 dated the 22nd November, 1968 and the Ministry of Foreign Trade and Supply No. S.O. 741, dated the 20th February, 1969 and S.O. No. 4433, dated the 30th October, 1969, the management of the whole of the industrial undertaking known as the Bengal Nagpur Cotton Mills Limited, Rajnandgaon, had been taken over by the Managing Agents referred to in the Order first mentioned above for a period upto and including the 1st April, 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Managing Agents should continue for a further period and including the 31st March, 1971;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18-A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and including the 31st March, 1971 and that with effect from the 2nd April, 1970, the Managing Agents aforesaid shall be designated as the Authorised Controller

[No. F.9/1/69-TEX(G).]

DEVINDAR NATH, Jt. Secy.

विदेशी व्यापार मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1970

क्र०आ० 1098:—यतः भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 4205 दिनांक 22 नवम्बर, 1968 और विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 741 दिनांक 20 फरवरी, 1969 और का० आ० सं० 4433 दिनांक 30 अक्टूबर, 1969 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्रालय के आदेश सं० 3548 दिनांक 17 दिसम्बर, 1963 द्वारा दि बंगाल नागपुर काटन मिल्स लिमिटेड, राजनन्दगाँव नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध अन्तिम आदेश में निविष्ट प्रबन्ध अधिकर्ताओं द्वारा 1 अप्रैल, 1970 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था। और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्रबन्ध अधिकर्ताओं द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण 31 मार्च, 1971 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, बना रहना चाहिये।

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित अन्तिम आदेश का प्रभाव 31 मार्च, 1971 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, की अवधि के लिए और बना रहेगा और कि 2 अप्रैल, 1970 से उपरिवर्णित प्रबन्ध अधिकर्ताओं का पदनाम प्राधिकृत नियंत्रक होगा।

[सं० का० 9/1/69—टैक्स(जी०)]

देवेन्द्र नाथ, संयुक्त सचिव।